DISHA

THE ANNUAL COLLEGE MAGAZINE 2017

GURU RAMDASS B.Ed. COLLEGE JALALABAD(W)

D.A.V. COLLEGE ROAD, VILL. CHAK ROOM WALA,

JALALABAD (W)-152024, DISTT. FAZILKA (Pb.)

Ph. : 01638-250884, 98552-06499, 84271-02121

Email : grd.college@rediffmail.com **Website : https://www.grdcollegejbd.org/**

About the Magazine

CHIEF PATRONS

Mr. Raghumit Singh Sodhi

Mr. Jasnik Singh Kakkar

CHIEF EDITOR

Dr. Sarabjit Kaur

(Principal)

EDITOR

Ms. Aarti Kapoor

CO- EDITOR

Ms. Neha Sachdeva

DEPARTMENT	EDITORS
ENGLISH DEPARTMENT	MS. DALJEET KAUR
HINDI DEPARTMENT	MS. AARTI KAPOOR
PUNJABI DEPARTMENT	MS. KULDEEP KAUR
SCIENCE DEPARTMENT	MS. VANIKA NAGPAL
MATHEMATICS DEPARTMENT	MS. NEHA SACHDEVA
SOCIAL STUDIES DEPARTMENT	MR. NAVEEN KUMAR
PHY. EDUCATION DEPARTMENT	MR. ASHISH KUMAR
ART AND CRAFT DEPARTMENT	MR. BALWINDER KUMAR

Message from the Chief Patron's Desk

It gives me immense pleasure to present the Magazine of our college "DISHA". This Magazine will serve as a platform to all the students and teachers to present their ideas in a creative way. I personally believe that "DISHA" will become an important resource and will contribute towards uplifting the educational, psychological and humane level of the students so that they can better serve the society and nation. My best wishes for the success of this Magazine.

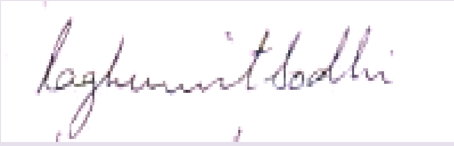

Mr. Raghumit Singh Sodhi

(Chief Patron

Guru RamDass B.Ed. College

Jalalabad(W))

Message From the Chairman's Desk

I am glad to note that the Guru Ram Dass B.Ed. College is bringing out the College magazine 'Disha' for the year 2017. This is a productive and co-curricular skill development floor for the students. The efforts taken by the students and faculty to bring out this magazine with interesting write ups is appreciable. Hearty congratulations to the Principal and the editorial team for all the efforts taken towards this.

Mr. Jasnik Singh Kakkar

(Chairman

Guru Ram Dass B.Ed. College

Jalalabad (w)

Message From the Principal's Desk

A College magazine reflects the consolidated efforts of the teachers and the students to contribute articles to the magazine in a creative manner. It will also exhibit the latent talents of the teachers and the students as story tellers, poets, essayists and so on. I can understand the hard work undertaken by the magazine committee to make it a reality in a meaningful way. I congratulate the convener and the committee members on their successful effort to bring out the magazine for the year 2017.

Dr. Sarabjit Kaur

(Principal, Guru RamDass B.Ed. College

Jalalabad (w)

DEPARTMENT OF ENGLISH

INCHARGE: MS. DALJEET KAUR

It is a matter of pride for all of us that our college is publishing magazine "Disha" for the year 2017.

I am exhilarated in establishing the next issue of the magazine "DISHA" of our College which is a reference of the most recent trends and activities related to English Department. I am glad to welcome students with more interest in bringing the article with more bright concepts and innovative ideas in the next issue. I wish them to experience victory in all of their future endeavors.

ALL THE BEST!

THANKS

DALJEET KAUR

ASSISTANT PROFESSOR

MEMORABLE COLLEGE LIFE

A big gang of friends

Colorful memories,

Silly fights

Friendly teachers

Group photos

Combined studies

Never ending free periods

Rocking annual days,

Group discussions on anything & nothing

So many hands in a single lunch box,

Remarkable marks

Terrific report card,

Lovable tours,

College life was just a heaven.

Manpreet
Roll number-2036

WHO HAS SEEN THE WIND?

Who has seen the wind?
Neither I nor you:
But when the leaves hang trembling,
The wind is passing through.
Who has seen the wind?
Neither you nor 1:
But when the trees bow down their
heads,
The wind is passing by.

Mandeep Kaur (Roll number-2078)

LEAVES

Leaves on the pumpkin
Leaves on the tree
Leaves on the house
Leaves on me
Leaves on the ground

Leaves on the car
Leaves on my feet
Leaves on the wagon
Leaves on the bear
Leaves everywhere

Anudeep kaur

Roll number-2030

TIME

To realise the value of ONE YEAR.

Ask a student who has failed in examination.

To realise the value of ONE MONTH.

Ask a mother who has given birth to a pre-matured baby.

To realise the value of ONE WEEK.

Ask an editor of a weekly.

To realise the value of ONE DAY.

Ask a daily wage labourer.

To realise the value of ONE MINUTE.

Ask a person who has survived in an accident.

To realise the value of ONE MILI SECOND.

Ask a person who has won a silver medal in olympics.

And even then if you don't realise

the value of TIME you must be a ....!!!

Shilpa

Roll number-2133

FRIENDSHIP

Seeing the friend's goodness with

eyes closed, loving forever, with reasons

never disclosed.... Helping the friend.

When the friend does wiping, singing

together many a joyous song, wiping

tears, sharing dreams are some beau-

tiful facets of friendship, that make to

strongers come together.

Gayatri Bhasker

Roll number-2169

IF YOU WANT

If you want to eat:

Eat your Anger.

If you want to read:

Read your good books.

If you want to kill:

Kill evil Ideas.

If you want to speak:

Speak politely.

If you want to be rich:

Enrich yourself with Noble ideas.

If you want to win:

win your wordly desires.

Neha
Roll number-2089

हिन्दी विभाग

कार्य प्रभारित - आरती कपूर

सम्पादिका की कलम से

प्रिय पाठकों,

मानव जीवन को विकसित करने के लिए शिक्षा एक ऐसा साधन जिस के माध्यम से आने वाले भविष्य के लोगों को आज के साहित्य के साथ जोड़ा जा सकता है।साहित्य और समाज का रिश्ता हमेशा ही गहरा रहा हैं। समाज का साहित्य समाज विकास के लिए उपयोगी रहा हैं।

कालेज के वार्षिक मैग्ज़ीन 'दिशा' के इस भाग के लिए विद्यार्थियो ने अपनी क्षमता के अनुरूप रचनाएं छपने के लिए भेजी है ।इन रचनाओं के माध्यम से एक अच्छे समाज की सृष्टि की उम्मीद जागती है।

आशा करते है कि इन्हीं विद्यार्थियो मे से भविष्य के महान साहित्यकार पैदा होंगे।

धन्यवाद।

हिन्दी प्राध्यापिका
आरती कपूर

सरहद

देखना अब सम्भव नहीं था
और जो सम्भव था
वह था दिखावा
कई सदियां बीत जाने पर
जो दृष्टि उभर कर आयी थी
वह दिखावे को देखने भर की
पुष्टि कर पायी थी
तुम जो दिखाते
वह तुम नहीं थे
हम जो दिखाते
वह हम नहीं थे
तुम जो देखते
वह हम नहीं थे
हम जो देखते
वह तुम नहीं थे
देखने दिखाने की होड़ में
कई सरहदें बनी थीं
और कई टूट गयी थीं

विक्रम सिंह
रोल नंबर-2002

<u>बेटी</u>

बेटी जो एक खूबसूरत एहसास होती हैं।

निश्छल मन के परी का रूप होती हैं।

कड़कती धुप में शीतल हवाओ की तरह।

वो उदासी के हर दर्द का इलाज़ होती हैं।

घर की रौनक आंगन में चिड़िया की तरह।

अन्धकार में उजले की खिलखिलाहट होती है।

सुबह सुबह सूरज की किरण की तरह।

चंचल सुमन मधुर आभा होती हैं।

नवनीत कौर

रोल नंबर-2194

सकारात्मक बातें

स्पीड ब्रेकर कितना भी बड़ा हो, गति धीमी करने से झटका नहीं लगता,
उसी तरह मुसीबत कितनी भी बड़ी हो, शांति से विचार करने पर जीवन में झटके नहीं लगते।

इज्जत, मोहब्बत, तारीफ और दुआ माँगी नहीं जाती, ये कमाई जाती है।

जितने वाले अलग चीजे नहीं करते वो चीजों को अलग तरीके से करते है।

हरमीत सिंह
रोल नंबर-2118

बेटे का जन्म

रिश्तों की ये बगिया
तेरी खुशबु से महक आयी है,
तेरे नन्हे-नन्हे कदमों संग
इस घर मे खुशियां लाई है,
कब से कर रखी थी तेरे
आने की तैयारी,

घर के सूनेपन में गूंजती
आज तेरी किलकारी,
पाकर तुझको लगा आज
मैने सारी दुनिया पाई है,
तेरे नन्हे-नन्हे इस घर मे
खुशियां आई है ,

परवीन रानी
रोल नंबर-2198

किसानों का सम्मान हो

पथरीली बंजर जमीन को
जिसने हरे-भरे खेतों में ढाला है
अपना ही नहीं पूरे भारत का
पेट जिन कृषकों ने पाला है
अब जरूरत है उनका भी गुणगान हो
किसानों का सम्मान हो
जो मिट्टी को चीरकर
उससे अनाज उपजाते हैं
जो हमारे भारत देश की मिट्टी को
हीरे मोती उगलने वाली बताते हैं
उन कृषि करने वालों का कल्याण हो
किसानों का सम्मान हो
सिंचता है वह कृषक
खेतों को अपने मेहनत के पसीने से
शपथ लें हम बनाएं ऐसा वातावरण
कि कोई कृषक तंग ना आए जीने से
अन्नदाता भी अब इस देश का अभिमान हो
किसानों का सम्मान हो

अलीजा दूमरा
रोल नंबर-2034

खुश रहो

छोटी सी है ज़िन्दगी,
हर बात में खुश रहो...
जो चेहरा पास न हो,
उसकी आवाज़ में खुश रहो...
कोई रूठा हो आपसे,
उसके अंदाज़ में खुश रहो...
जो लौट के नहीं आने वाले,
उनकी याद में खुश रहो...
कल किसने देखा है,
अपने आज में खुश रहो...

राज सिंह
रोल नंबर-2139

अटका बादल

मन कहीं नहीं भटका है
ऊपर एक बादल अटका है
जो तुझ को छू कर आया है
मेरे मन के आँगन में बरसा है

चाँद कहीं नहीं भटका है
दिल के आसमाँ में लटका है
तेरे मन को छू कर आया है
मेरे तन के आँगन में चमका है

रेखा रानी
रोल नंबर-2051

DEPARTMENT OF PUNJABI

INCHARGE: MS. KULDEEP KAUR

ਸੰਪਾਦਕ ਦੀ ਕਲਮ ਤੋ.....

ਸਾਹਿਤ ਅਤੇ ਸਮਾਜ ਦਾ ਰਿਸ਼ਤਾ ਹਮੇਸ਼ਾ ਹੀ ਗੂੜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਸਾਹਿਤ ਸਮਾਜ ਵਿੱਚੋਂ, ਸਮਾਜ ਲਈ ਅਤੇ ਸਮਾਜ ਦੁਆਰਾ ਹੀ ਸਿਰਜਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਸਮੇਂ, ਸਥਾਨ ਅਤੇ ਲੋੜਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਇਸਦਾ ਸਰੂਪ ਅਤੇ ਵਿਸ਼ਾ ਬਦਲਦਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਕਲਿਆਣਕਾਰੀ ਸਾਹਿਤ ਸਮਾਜਕ ਵਿਕਾਸ ਲਈ ਸਦਾ ਉਪਯੋਗੀ ਸਿੱਧ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਵਰਤਮਾਨ ਅਤਿਆਧੁਨਿਕ ਯੁੱਗ ਵਿੱਚ ਤਬਦੀਲੀਆਂ ਦੀ ਰਫ਼ਤਾਰ ਬਹੁਤ ਤੇਜ ਹੋ ਗਈ ਹੈ।ਫਲਸਰੂਪ ਸਮਾਜਕ ਵਿਵਸਥਾ ਵਿੱਚ ਵਿਚਰ ਰਹੇ ਮਨੁੱਖ ਦੀ ਅਕਾਂਖਿਆ ਅਤੇ ਸਾਧਨਾ ਵਿਚਕਾਰ ਫਾਸਲਾ ਵੱਧ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਹੋ 'ਗੀਤਸ਼ੀਲ ਮਾਨਵ ਦੀ ਬਹੁਤ ਤਰਾਸ਼ਦੀ ਬਣ ਗਈ ਹੈ ਜਿਸ ਨੂੰ ਸਾਹਿਤ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਦਾ ਸਫ਼ਲ ਯਤਨ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ।

ਕਾਲਜ਼ ਦੇ ਸਲਾਨਾ ਮੈਗਜ਼ੀਨ 'ਦਿਸ਼ਾ'ਦੇ ਇਸ ਅੰਕ ਲਈ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਮਿਆਰ ਅਨੁਸਾਰ ਰਚਨਾਵਾਂ ਛੱਪਣ ਹਿੱਤ ਭੇਜੀਆਂ । ਸਮਾਜਕ ਪ੍ਰਸਥਿਤੀਆਂ ਵਿੱਚ ਵਿਚਰ.ਰਹੇ ਧੁਨੀਆਂ ਰਾਹੀਂ ਅਭਿਵਿਅਕਤ ਕਰਨ ਦਾ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਜੋ ਬਹੁਤ ਸ਼ਲਾਘਾ ਅਤੇ ਅੰਤਰ ਸਬੰਧਾਂ, ਮਾਨਵੀ ਜ਼ਜਬਿਆਂ, ਮਾਨਵ ਦੇ ਤੇਜ਼ ਰਫ਼ਤਾਰ ਚਰਿੱਤਰ ਅਤੇ ਦਿਲ ਦੀਆਂ ਸੱਧਰਾਂ ਦਾ ਭਰਪੂਰ ਚਿੱਤਰਣ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਜਿਸ ਤੋਂ ਸਿਹਤਮੰਦ ਸਮਾਜ ਦੀ ਸਿਰਜਣ ਦੀ ਉਮੀਦ ਜਾਗਦੀ ਹੈ। ਆਸ ਹੈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪੁੰਘਰ ਰਹੇ ਸਾਹਿਤਕਾਰਾਂ ਵਿੱਚ ਭਵਿੱਖ ਦੇ ਮਹਾਨ ਸਾਹਿਤਕਾਰ ਪੈਦਾ ਹੋਣਗੇ।

ਧੰਨਵਾਦ

ਕੁਲਦੀਪ ਕੌਰ

ਸਹਾਇਕ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ

ਮਾਂ

ਜਦ ਸਭਨਾ ਥਾਈ,

ਆਪ ਪਹੁੰਚ ਨਾ ਸਕਿਆ,

ਰੱਬ ਨੇ ਬਣਾਈ ਮਾਂ।

ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡਾ ਇਸ ਦੁਨੀਆਂ ਵਿੱਚ,

ਤੀਰਥ ਹੁੰਦੀ ਮਾਂ।

ਮੋਹ ਮਮਤਾ ਦੀ ਜਿਉਂਦੀ ਜਾਗਦੀ,

ਮੂਰਤ ਹੁੰਦੀ ਮਾਂ।

ਜਦ ਕੁਝ ਕਹਿੰਦੀ ਦਿਲ ਤੋਂ ਸੋਚੇ,

ਪਾਰਦਰਸ਼ੀ ਹੁੰਦੀ ਮਾਂ।

ਚਿਹਰਾ ਪੜ ਕੇ ਦਿਲ ਬੁੱਝ ਲੈਂਦੀ,

ਅੰਤਰਜਾਮੀ ਹੁੰਦੀ ਮਾਂ।

ਕੀ ਹੋਇਆ ਜੇ ਰੱਬ ਨਹੀ

ਰੱਬ ਵਰਗੀ ਹੁੰਦੀ ਮਾਂ।

ਮਾਂ ਦੀਆਂ ਦਿੱਤੀਆ ਦੁਆਵਾਂ ਦੀ,

ਮੇਰੇ ਸਿਰ ਤੇ ਛਾਂ।

ਰੱਬ ਵਰਗੀ ਹੁੰਦੀ ਮਾਂ।

ਨਵਜੋਤ ਰਾਣੀ

ਰੋਲ ਨੰਬਰ-2032

ਕਵਿਤਾ

ਕਵਿਤਾ ਕਿਸੇ ਹੱਟ ਤੇ ਪਈ ਕੋਈ ਚੀਜ਼ ਨਹੀ
ਜਿਸਨੂੰ ਖਰੀਦ ਲਵਾਂਗੇ ਦੇ ਕੇ ਦਾਣਿਆ ਦਾ ਲੱਪ
ਕਵਿਤਾ ਤਾਂ ਦਿਲ ਚੋ ਫੁੱਟਦਾ ਸ਼ਬਦਾਂ ਦਾ ਲਾਵਾ ਹੈ।
ਜਿਸਨੂੰ ਦਿਮਾਗ ਦਿਲ ’ਚ ਪਰੋਅ ਕੇ ਰੱਖਦਾ ਹੈ।
ਕਵਿਤਾ ਕਿਤੇ ਨਿੱਕੀ ਹੱਸਦੀ ਬਾਲੜੀ ਲੱਗਦੀ ਹੈ।
ਤੇ ਕਦੇ ਚੰਡੀ ਦਾ ਰੂਪ ਧਾਰਦੀ ਹੈ।
ਕਵਿਤਾ ਕਿਤੇ ਗਾਉਦੀ ਹੈ ਗੀਤ ਖੁਸ਼ੀਆਂ ਦੇ
ਕਵਿਤਾ ਤੇ ਨਾਜੁਕ ਫੁੱਲਾਂ ਨਾਲ ਖੇਡਦੀ ਨਜਰ ਆਉਦੀ ਹੈ।
ਤੇ ਕਦੇ ਹਥਿਆਰਾਂ ਨਾਲੋਂ ਵੀ ਤਿੱਖੇ ਫੱਟ ਲਾਉਂਦੀ ਹੈ।
ਕਵਿਤਾ ਕਿਤੇ ਦਾਦ ਹਾਸਿਲ ਕਰਦੀ ਹੈ।
ਤੇ ਕਦੇ ਆਲੋਚਕਾ ਦੀਆ ਫਿਟਕਾਰਾਂ ਸਹਿੰਦੀ ਹੈ।
ਕਵਿਤਾ ਕਦੇ ਕਿਸੇ ਸੋਹਣੀ ਦੀਆਂ ਸਿਫਤਾ ਕਰਦੀ ਹੈ
ਤੇ ਕਦੇ ਆਪਣੇ ਹੱਕਾਂ ਲਈ ਲੜਦੀ ਹੈ।
ਕਵਿਤਾ ਕਦੇ ਰਹਿ ਜਾਂਦੀ ਆ ਪੰਨਿਆ ’ਚ ਸਿਮਟ ਕੇ
ਤੇ ਕਦੇ ਲੋਕਾਂ 'ਚ ਜਾ ਕੇ ਖਰੂਦ ਪਾਉਂਦੀ ਹੈ।
ਕਵਿਤਾ ਕਦੇ ਉੱਡਣਾ ਚਾਹੁੰਦੀ ਹੈ ਅਸਮਾਨਾਂ 'ਚ
ਤੇ ਕਦੇ ਮਿੱਟੀ ਨਾਲ ਮਿੱਟੀ ਹੋ ਕੇ ਰਹਿ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।
ਕਵਿਤਾ ਕਿਤੇ ਸੂਖਮ ਤੇ ਸੁਹਜਮਈ ਅਹਿਸਾਸ ਹੈ
ਤੇ ਕਦੇ ਭਾਬੜ ਮਚਾਉਦੀ ਹੈ।
ਕਰਮੀ ਨੂੰ ਤਾ ਕਵਿਤਾ ਆਪਣੀ ਦੋਸਤ ਲੱਗਦੀ ਹੈ।
ਜੋ ਆਉਦੀ ਹੈ ਤੇ ਰਾਗਾਂ ਨੂੰ ਛੇੜ ਤੁਰ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

ਮਨਦੀਪ ਸਿੰਘ
ਰੋਲ ਨੰਬਰ-2004

ਖ਼ਤਰਾ

ਹੱਸਣ 'ਚ ਮੂਰਖ ਲੱਗਣ ਦਾ ਖਤਰਾ।

ਰੋਣ ’ਚ ਭਾਵੁਕ ਸਮਝੇ ਜਾਣ ਦਾ ਖਤਰਾ।

ਦੂਜਿਆਂ ਨਾਲ ਸਬੰਧ ਜੋੜਨ ਵਿਚ ਵੀ ਖਤਰਾ।

ਆਪਣੀਆਂ ਭਾਵਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਵਿਅਕਤ ਕਰਨ `ਚ ਆਪਣੇ ਅੰਦਰਲੇ ਸੱਚ ਦੇ ਖੁੱਲ੍ਹਣ ਦਾ ਖਤਰਾ ।

ਆਪਣੇ ਵਿਚਾਰ, ਆਪਣੇ ਸੁਪਨੇ, ਕਿਸੇ ਭੀੜ ਅੱਗੇ ਰੱਖਣ 'ਚ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਗੁਆਚ ਜਾਣ ਦਾ ਖਤਰਾ ।

ਜੇ ਪ੍ਰੇਮ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਸਦੇ ਬਦਲੇ ’ਚ ਪਿਆਰ ਨਾ ਮਿਲਣ ਦਾ ਖਤਰਾ।

ਆਸ਼ਾ ’ਚ ਨਿਰਾਸ਼ਾ ਦੇ ਹੋਣ ਦਾ ਖਤਰਾ ।

ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਨ 'ਚ ਅਸਫਲਤਾ ਦਾ ਖ਼ਤਰਾ।

ਪਰ ਖਤਰਾ ਜਰੂਰ ਲੈ ਲੈਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਜਿੰਦਗੀ ਵਿਚ ਖਤਰਾ ਮੁੱਲ ਨਾ ਲੈਣਾ ਹੀ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡਾ ਖਤਰਾ ਹੈ। ਜਿਹੜਾ ਬੰਦਾ ਖਤਰੇ ਨਹੀਂ ਉਠਾਉਂਦਾ, ਉਹ ਕੁਝ ਨਹੀ ਕਰਦਾ।

ਨਾਂ ਹੀ ਕੁਝ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਦਾ ਹੈ, ਤੇ ਨਾ ਹੀ ਕੁਝ ਬਣਦਾ ਹੈ।ਉਹ ਦੁੱਖ-ਤਕਲੀਫ ਤੋਂ ਤਾਂ ਬਚ ਸਕਦੇ ਹੈ ਪਰ ਉਹ ਸਿੱਖਣ, ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਨ, ਬਦਲਾਵ ਲਿਆਉਣ, ਅੱਗੇ ਵੱਧਣ, ਪਿਆਰ ਕਰਨ ਤੇ ਜੀਵਨ ਜੀਣਾ ਨਹੀਂ ਸਿੱਖ ਪਾਉਂਦਾ। ਉਹ ਆਪਣੇ ਹੀ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀਕੋਣ ਦੀ ਜ਼ੰਜੀਰ ਨਾਲ ਜਕੜੇ ਜਾਂਦਾ ਹੈ,ਉਹ ਗੁਲਾਮ ਬਣ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

ਉਹ ਆਪਣੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਗਵਾ ਬੈਠਦਾ ਹੈ।

ਕੇਵਲ ਉਹ ਬੰਦਾ ਹੀ ਆਜ਼ਾਦ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਖਤਰੇ ਦਾ ਮੁੱਲ ਪਾ ਲੈਂਦਾ ਹੈ।

ਸੰਦੀਪ ਕੌਰ

ਰੋਲ ਨੰਬਰ-2031

ਹਿਜ਼ਰਾ ਦੀ ਉਹ ਰਾਤ

ਨੀਂਦਰ ਨੇ ਕਦ ਆਉਣਾ ਸੀ
ਹਿਜ਼ਰਾ ’ਚ ਧੁਖਦੀ ਉਹ ਰਾਤ ਸੀ।
ਸਿਰਫ ਸਾਹ ਹੀ ਬਾਕੀ ਸਨ।
ਬਿਨ ਤੇਰੇ ਉਂਝ ਕਾਹਨੂੰ ਜਿਉਣ ਦਾ
ਅਹਿਸਾਸ ਸੀ।
ਨੀਂਦਰ ਨੇ ਕਦ ਆਉਣਾ ਸੀ।
ਹਿਜ਼ਰਾ ’ਚ ਧੁਖਦੀ ਉਹ ਰਾਤ ਸੀ।
ਵੈਣ ਪਾ ਹੋਈਆਂ ਸਨ ਮੱਥੇ ਦੀਆਂ ਲਿਖੀਆਂ,
ਜਬਤ ਹੋ ਚੁੱਕੇ ਜਜ਼ਬਾਤ ਸੀ।
ਦਿਲ ਤੇ ਲੱਗੀ ਸੀ ਸੱਟ ਡੂੰਘੀ
ਸਿਰਫ ਹੌਕੇ ਸਨ ਲਫਜਾਂ ਵਿੱਚ
ਜਿੰਦਗੀ ਦੇ ਅੰਤ ਦਾ ਆਖਿਰ ਉਹ ਆਗਾਜ਼ ਸੀ।
ਨੀਂਦਰ ਨੇ ਕਦ ਆਉਣਾ ਸੀ
ਐਸੀ, ਹਿਜਰਾਂ 'ਚ ਧੁਖਦੀ ਉਹ ਰਾਤ ਸੀ।

ਵੀਨਾ ਰਾਣੀ
ਰੋਲ ਨੰਬਰ-2065

ਧੀਆਂ

ਮੈ ਕਹਿਣਾ ਮੇਰੇ ਦੋ ਧੀਆਂ ਹੋਣ,
ਪੁੱਤਰਾਂ ਵਾਗੂੰ ਮੈਂ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ
ਪੁੱਤ ਤਾਂ ਮਾਂ-ਬਾਪ ਦਾ ਨਾਂ ਰੋਲਦੇ,
ਵੱਡੇ ਹੋ ਕੇ ਪੁੱਤ ਵੰਡਾਉਣ ਜ਼ਮੀਨਾਂ,
ਧੀਆਂ ਨੇ ਨਾਂ ਚਮਕਾਉਣਾ ਏ।
ਧੀਆਂ ਨੇ ਦੁੱਖ ਵੰਡਾਉਣਾ ਏ।
ਇਕ ਧੀ ਨੂੰ ਬਣਾਵਾਂਗਾ ਡਾਕਟਰ,
ਦੂਜੀ ਨੂੰ ਟੀਚਰ ਬਣਾਉਣਾ ਏ।
ਲੋਕ ਧੀਆਂ ਨੂੰ ਚਿੜੀਆਂ ਸਮਝਣ,
ਪਰ ਮੈਂ ਤਾਂ ਬਾਜ਼ ਬਣਾਉਣਾ ਏ।
ਧੀ ਦੇ ਜਨਮ ਤੇ ਸਮਾਜ ਨਿਰਾਸ਼ ਹੁੰਦਾ,
ਪਰ ਮੈਂ ਤਾਂ ਜਸ਼ਨ ਮਨਾਉਂਣਾ ਏ।
ਹੱਥ ਜੋੜ ਮੈਂ ਕਰਾਂ ਬੇਨਤੀ,
ਧੀਆਂ ਨੂੰ ਜਿਊਣ ਦਾ ਹੱਕ ਦਵਾਉਣਾ ਏ।
ਧੀਆਂ ਪ੍ਰਤੀ ਤੰਗ -ਸੋਚ ਕੱਢ ਕੇ,
ਸਮਾਜ ਨੂੰ ਸਿੱਧੇ ਰਾਹ ਪਾਉਣਾ ਏ।
ਭਰੂਣ ਹੱਤਿਆ ਰੋਕਣ ਦੇ ਲਈ,
ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਹੁਣ ਸਮਝਾਉਣਾ ਏ।

ਸ਼ੈਲਜਾ ਨਰੂਲਾ
ਰੋਲ ਨੰਬਰ-2093

ਮੁਸਕਰਾਹਟ

ਮਾਸੂਮ ਬੱਚਿਆਂ ਦਾ ਹਾਸਾ ਦਿਲ ਨੂੰ ਖੁਸ਼ ਕਰ ਜਾਂਦਾ ਹੈ,

ਇਹਨਾਂ ਦਾ ਪਿਆਰ ਹਰ ਗਮ ਨੂੰ ਭੁਲਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਦਰਦ ਕਿੰਨਾ ਵੀ ਹੋਵੇ ਇਸ ਜਹਾਨ ਤੇ ਬਚਿਆ ਦੀ

ਮੁਸਕਰਾਹਟ ਹੀ ਹਰ ਜ਼ਖਮ ਨੂੰ ਮਿਟਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ.

ਹਰਵਿੰਦਰ ਕੌਰ

ਰੋਲ ਨੰਬਰ-2055

DEPARTMENT OF SCIENCE

INCHARGE: MS. VANIKA NAGPAL

Dear Students,

Over the years we have used this medium i.e. Disha to share knowledge in the field of science.

It is interesting to note how science is finding application in fields like-Crime investigation, Hybrid vehicles, Anti-ageing formulations etc.

Science is omnipresent. Whether it is the human body, the environment around us or the man made machines. To make life simpler-knowledge of science is important, not only to understand the functioning but for efficient use and maintenance too.

Hope this issue will update our knowledge on the subject and trigger thoughts on its application.

Good luck and happy reading.

Ms Vanika Nagpal

Vice principal

Assistant Professor

Guru Ram Dass B.Ed. College, Jalalabad (w)

Parts of a Plant

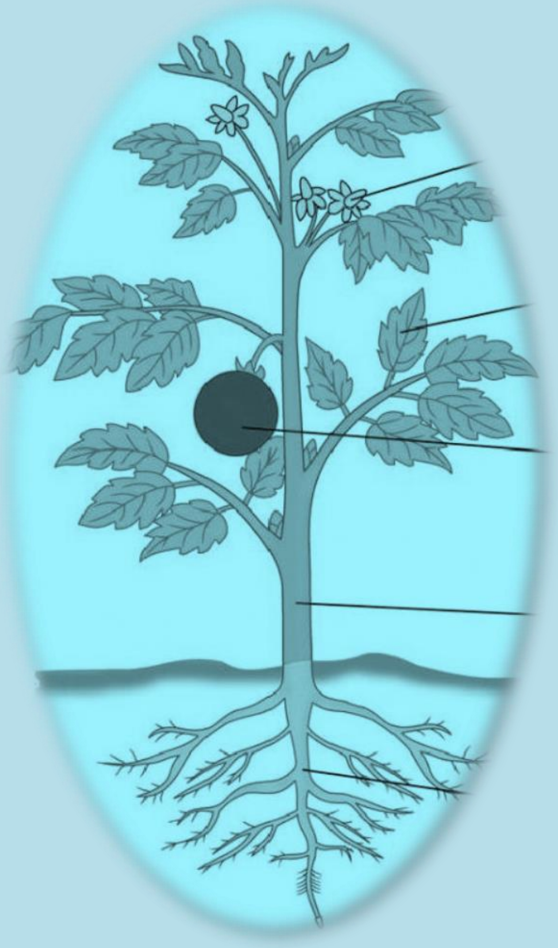

The roots on a plant grow underground

Underground. Underground.

The roots on a plant grow underground

Roots are part of a plant.

The stems on a plant hold up the leaves

Up the leaves, up the leaves

The stems on a plant hold up the leaves

Stems are part of a plant.

The leaves on a plant are making food.

Making food, making food.

The leaves on a plant are making food.

Leaves are part of a plant

The flowers on a plant are growing seeds.

Growing seeds. growing seeds.

The flowers on a plant are growing seeds,

Flowers are part of a plant.

Sanjoli

Roll number-2066

The Horrid Voice of Science

“There's machinery in the butterfly;
There's a mainspring to the bee;
There's hydraulics to a daisy,
And contraptions to a tree.
"If we could see the birdie
That makes the chirping sound
With x-ray, scientific eyes,
We could see the wheels go round."
And I hope all men
Who think like this
Will soon lie Underground

Surjeet Singh
Roll number-2062

Love is Chaos

(It's relative, generally speaking)
The angle of incidence the collision
The angle of reflection-the
realization
Burned by the egregious refraction
Of searching eyes
What is the (anti) matter
Stretched between magnetic fields
Of Reason and Desire
How will the equation balance-
One side must invariably be solved
(You)
A centripetal force inveigling-
Explain entropic delusions
and test assumptions of reality.

Rajinder kaur
Roll number-2054

Who Has Seen the Wind?

Who has seen the wind?
Neither I nor you:
But when the leaves hang trembling,
The wind is passing through.
Who has seen the wind?
Neither you nor 1:
But when the trees
bow down their heads,
The wind is passing by.

Mandeep kaur

Roll number-2078

Science is like Writing

In science I held up a prism.
The sun made a rainbow
on my book.
Our teacher explained
about bending light.
My friends all came to look.
Science is like writing.
A poem takes white light in me
and breaks it into colors
for everyone to see.

Sajan Kumar
Roll number-2102

BEING A BUTTERFLY

'Starting as a caterpillar;
After growing nice and big.
The caterpllar climbs on a leaf or twig;
It's made a shell inside;
Then the shell cracks, a change was going on:
The form of caterpillar now is gone.
When the shell opens, what comes out?
A beautiful; butterfly fluttering about.
Their wings are stretched wide,
Fluttering around the flower....
Some of them will fly in pairs,
While others remain alone,
There are some that appear small
And there are some that seem full grown!
They love to grace our garden,
The color of corn is their pretty wings!
They are the true aesthetic beauty!
Starting as a caterpillar, before-
Wrapping up in cocoon,
Change our nature, and
Become something greater is not
Just a dream, but reality:
If the butterfly can do it,
So, can we!

Nafisha
Roll number-2150

DEPARTMENT OF MATHEMATICS

INCHARGE: MS. NEHA SACHDEVA

Hello Readers!

Welcome to the Reading our Magazine!

This magazine is going to be a very exciting issue as we are going to focus on our new ideas initiative. Keep on reading to find out more!

I will also be sharing Best ideas of the Education, our Face book pages, you tube and some general News!

I have family there right now so I hope to share some great photos with you!

Enjoy!

THANKS

NEHA SACHDEVA

Assistant Professor

What is another word for MATH?

Definition for math:-a science for group of related sciences dealing with the logic of quantity and shape and arrangement.

Other Synonyms

linguist, illuminati, algorithm, clerk,
arithmetic, scientific discipline,
figure, sophist, professor, lexicologist
philosopher, mathematical
schoolman, literati philologist,
academician, mullah, applied math,
connoisseur, computation,
Gownsman, master of arts, pure
mathematics, reckoning

Navneet kaur
Roll number-2194

Maths, Maths, Maths!

Down with old Pythagoras
And down with rotten maths.
Down with Archimedes,
And drown him at the baths.
If anyone had to do it
I'd make sure it was me
First I'd wholly immerse him,
Then kick him up a tree.
When he had been disposed of,
l'd turn on old Pythag
I'd drag him through a holly bush,
And he'd come out like a rag.
Now my pipe dream's over,
And I've nothing more to say
Except that Maths still lives on
To be taught another day.

Hardeep Singh
Roll No. 2162

Circles

You may be a spotted circle

rolling through this world alone.

You may love your colored speckles.

You may be joyful your own.

You may roll through many lifetimes

without looking left or right.

You may never hear the cry

of one striped circle in the night.

But if you listen, listen closely

as you wobble through this maze

you will hear a song of stripes

whistling through your lonely days.

First, oh first, you may be haunted.

Stripes may fill your dreams with fear.

Let cool twilight soothe your senses.

Call to stripes, I'm here! I'm here!

Find spots in stripes and stripes in spo

This is what we all must do.

Each of us is striped and spotted.

You are me.

I am you.

Simranjeet kaur

Roll number-2050

गणित के दोहे

बेटी मेरी पूछ रही,कैसे करें सवाल।
गिनती पहाड़े सीखलो,होगा बेड़ा
पार।।
रेखा लम्बी होत है,बिन्दु सिर्फ़ निशान।
रेखाखंड सीमित रहे,किरण एक दिशि
आन ।।
एक बिन्दु से रेखा बहु,दो से होती एक।
तीन मिले त्रिभुज बने,चार चतुर्भुज
देख।।

Poonam Rani
Roll number-2130

Mathematical symbols

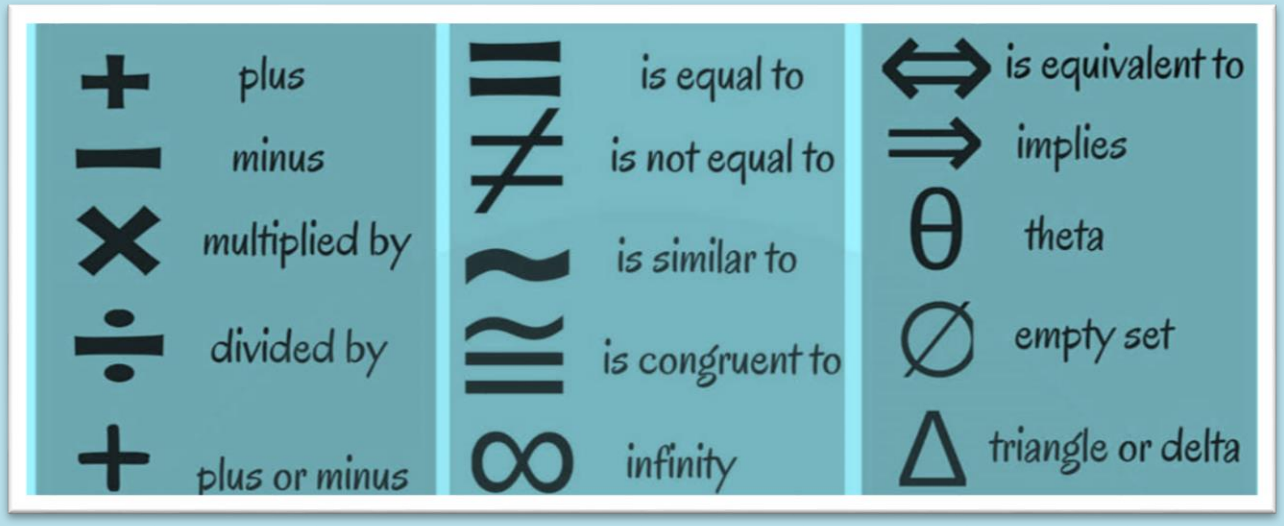

Harvinder kaur
Roll number -2055

गणित विषय के लिए स्टूडेंट्स का दर्द उनकी डायरियों में देखने को मिले :

1) पता नहीं कौन सी नाव थी वो जो हमेंशा कभी धारा की दिशा में तो कभी धारा के विपरीत दिशा में चलती थी, और हमारी नैया डुबा दिया करती थी।

2) एक खास ट्रेन भी हुआ करती थी जो स्टेशन A से स्टेशन B की ओर चलती थी। मैं पूरे ग्लोब और गूगल का औचक निरीक्षण कर चुका हूँ, पर ये दोनों स्टेशन आज तक नहीं मिले। कभी-कभी एक दूसरी ट्रेन भी होती थी जो स्टेशन B से स्टेशन A की तरफ चलती थी। हालांकि ये कभी नहीं बताया गया कि दोनों स्टेशनों के बीच दो ट्रैक हैं या दोनों ट्रेनें एक ही ट्रैक पर चलती हैं। पता नहीं वो पागल आदमी कौन होता था जो कभी इन ट्रेनों के विपरीत दौड़ता तो कभी साथ-साथ।जो भी हो, मुझे लगता है कि बेरोजगार रहा होगा बेचारा।

3) एक बहुत भ्रष्टाचारी दूधवाला भी हुआ करता था जिसकी खोपड़ी कुछ सटकेली थी। पहले ये भाईसाहब दो छोटे कंटेनर में एक-एक करके तीन भाग दूध और एक भाग पानी मिलाते थे. फिर इस मिश्रण को एक बड़े से कंटेनर जो आधा दूध से भरा होता था, उसमें मिला दिया करते थे। इसके बाद बड़े प्रेम से पूछते थे कि अब बताओ बेटा कुल कितना भाग दूध और कितना भाग पानी है। पता नहीं अपना बिजनेस सीक्रेट क्यों ओपन करता था वह ।

4) और सबसे मस्त तो वो चोर होता था। ये पूरी दुकान लूटकर ढाई बजे भागता था और एक सिपाही पैंतालीस मिनट बाद उसे पकड़ने भागता। इस पूरे काण्ड में फायदा चोर को होना था, या नहीं और प्रोमोशन सिपाही को मिलनी थी या नहीं , पता नहीं। पर सवाल हमसे तलब किये जाते कि,"बताओ पुलिस कितने घंटे बाद चोर को पकड़ेगा? " * अब मैं क्या दरोगा हूँ जो मेरे से पूछते।सच तो ये है कि तुम्हारा सिपाही कभी नहीं पकड़ पायेगा, क्योंकि चोर 120 की स्पीड में कार से भागा है और तुम्हारा सिपाही 45 मिनट बाद 12 की स्पीड में पैदल कमबख्त मारे!

5) इसी तरह एक ठेकेदार हुआ करता था।ये सज्जन रोज 20 पुरुष, 15 महिलाएं और 10 बच्चों के खेत जुतवाया करते थे।और पूछते हमसे थे कि बताओ इसी तरह 12 पुरुष, 17 महिलायें और 8 बच्चे उसी खेत को कितने दिन में जोतेंगे। ये कौन सी खेत है तुम्हारी जो आज तक जुत ही रही है। और तुम पर तो कमीने केस ठोकूँगा मैं अब। बालमजदूरी करवाते हो! महिलादिवस बीते एक सप्ताह भी नहीं हुआ, और महिलाओं पर अत्याचार शुरू!

Reema
Roll No. 2024

DEPARTMENT OF SOCIAL STUDIES

INCHARGE: MR. NAVEEN KUMAR

Dear Readers,

Youth is the most valuable human resource of every country on whom the present and future of the country depends. A number of problems like child labour, domestic violence,drug addiction, honour crimes, female foeticide hunger poverty, corruption, illiteracy,unemployment etc. still prevail in Indian society.All this necessitates that the youth should realise their responsibilities. The population of India has crossed the one billion mark. The economic progress of the country has been multified. Although the government has initiated various programs. Now it becomes the responsibility of the youth to further the government effort. It is also suggested that youth should not become pawn in the hands of politicians. They should participate in the process of decision making. The interaction of the educated youth with the illiterate folk in villages and slums would help to remove many social evils and contribute in the uplift of society.

It is also the responsibility of the youth not to be a burden on society; they should be self dependent. From this point of view self-sufficiency itself is a kind of service. The youth should use their spare time in service of others. Man is as much self dependant as inter-dipendonteuse no one can live in isolation. When dependence becomes more society in a good order it is no longer dependence, but omnes cooperation.

Joe E Lewis said, "you are young only once,and it you work it right, once is enough".

Happy Reading!

Mr. Naveen Kumar

Assistant professor

SOIL POLLUTION

- Soil is the outermost layer of the Earth's surface, which is the foundation of essential environmental functions.
- Drinkable underground water is also possible because the soil layer acts as a filter and a source of essential nutrients to that water.
- Soil also plays a significant role in regulating the Earth's temperature to make it livable.
- A soil pollutant is an agent that degenerates the quality, composition, mineral quantity of the soil.

Veena Rani
Roll number-2065

CORRUPTION FREE INDIA

The dream of corruption-free India is a long road ahead. Corruption in India exists on all levels, from ministers to watchmen.
Corruption has cost the taxpayers thousands of crores in revenue for the To Stopper country.
A thorough unbiased investigation should be conducted when a corruption scandal breaks out.
Corruption in India exists both in the private sector and public sector.

Neelam Rani
Roll number-2183

WOMEN EMPOWERMENT

1. Women empowerment is one of the most important things that need to be in the world.

2. The rights and freedoms that women have been fought for by them through the decades.

3. Women didn't have the necessary rights like voting for the longest time compared to the men who had all the rights.

4. All the progressive countries have had a history where women were ill-treated and didn't have rights.

5. As a country, India needs to be more progressive because there's a lack of women empowerment in the country

6. Women should be given the same and equal opportunities that their male counterparts receive

7. The pay should be equal for men and women for the same work that they do.

8. There should be no backlash that women face for the divorce.

Srishti
Roll number-2098

CLIMATE CHANGE

Leading the fight against climate change
Lots of obstacles that we will face.
Global warming is coming soon
But we'll still see the sun and moon
What about our plants and trees?
Mother earth needs some peace
On top of the trees are some honey bees
Lovely birds sweetly sings.

Lovepreet singh
Roll number-2122

A Leader is You

A leader is you, a leader is kind,
A leader is someone who leadsfrom behind,
A leader is you, a leader is wise,
A leader is someone we do not despise.

A leader is you,a leader is great,
A leader someone we appreciate,
A leader is you, a leader is fun,
A leader is someone we do not shun.

A leader is you, a leader is nice
A leader is someone who gives good advice,
A leader is you, a leader is weird,
A leader is someone we do not fear.

A leader is you, a leader is me,
A leader is someone who we can believe,
A leader is you, a leader is me,
A leader is someone anyone can be

Kavita
Roll number-2053

समाज के संस्कार

यह न करो यह न करो,

यहाँ न जाओ वहाँ न जाओ।

सहने की आदत डालो ,

पढ़ लिख कर क्या हो जायेगा ?

घर का भिन्न भिन्न काम तुम सीखो।

लड़की हो ,

अपनी भावनाओं का बलिदान तुम करना सीखो।

शादी का घर बार संभालो,

जीवन को परिवार पर न्योछावर कर डालो,

जीने का अधिकार नहीं है तुम्हे।

न मरने की आज़ादी है तुम्हे।

अपने जीवन के अंतिम समय में,

जब लाल, जिनके लिए कर दी थी अपनी जिंदगी न्योछावर,

समझे अपनी ही माँ को बोझ,

तब मन ही मन झुलाती है पुरानी मान्यताएँ कि लड़की हो

अपनी भावनाओं का बलिदान तुम करना सीखो।

हरजिंदर कौर

रोल नंबर-2144

DEPARTMENT OF PHYSICAL EDUCATION

INCHARGE: MR. ASHISH KUMAR

Dear Sudents

-Health is reason for exercise not for sports sure but a great side effect of sports is exercise. Exercise improves cadio-vascular fitness and control your weight,more importantly being active in sports can help you lok good.

- Athletic Activity reduces body fat and strengt hen bones and build muscles.

-Athletic Activity improve co-ordination, balance flexibility and endurance.

- Athletic Activity slows the aging process.

- Athletic Activity reduces the risk of injury and helps you recover fast and get you smart.

- Learn how to set and attain goals.

- Improve self esteem through success/failure learn time management skills.

It is a fact that students who play sports work hard in the classroom and get social.

Good Luck!

Mr. Ashish kumar

Assistant professor

International Yoga Day

Why India never had a yoga day before,

Nevertheless, it is the place where yoga

originated

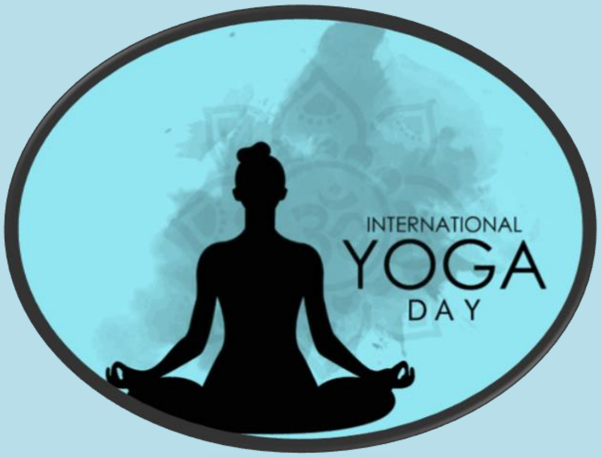

India does not need any yoga day,

As every day is yoga day for the Indians,

However, it is better that

There is a day of yoga

As it will bring awareness among those people

Who are less acquainted with yoga

In India, yoga has various aspects

As it has been handed over to the disciples by a Guru

That is why we are having

Guru-Poornima (A full moon day) -A day for Guru

Instead of any yoga day

In India, yoga is just a tool for realizing the highest

Master is more important in Indian's life than yoga

As by the grace of the master

One can cross the ocean of world

Even without yoga.

Rajwinder Kaur

Roll No. 2159

<u>क्या सचमुच वह दिन आएगा</u>

थक कर बैठ गई है वह बूढ़ी मां

ठीक उसी पेड़ के नीचे

जिस पर चढ़ने से रोका करती थ

अपने शरारती नन्हें बेटे को

वह बेटा जो हज़ारों फीट ऊंचाई से उड़ कर

जा चुका है खाड़ी देश

कमाता है दीनार, भेजता है रुपया

मां बैठी है प्रतीक्षा में

एक दिन रुपया नहीं, वह आएगा

लेकिन क्या सचमुच मां के

वह दिन आएगा... ?

Priyanka Rani

Roll number-2162

'Health is Wealth'

Rich or not

We all have got

Chances in lifetime

To live quite sublime

More rich people become richer

And the majority poor more poorer

It's not how much money brings boost

But having enjoyed life not its cost

Healthy body makes an active mind

Once sick can't make good things rewind

Beware of taking too much of everything

Good health is wealth and the best thing

Hardeep singh

Roll number-2020

NATIONAL SPORTS DAY

• National Sports day is celebrated on August 29th of every year.

• On the birth anniversary of Major Dhyan Chand Singh, who was a legendary Indian hockey player, National Sports day of India is celebrated. Major Dhyan Chand Singh is also HANUS oppe known as the hockey wizard of India.

• On the occasion of National Sports day, various sporting activities are conducted across schools and colleges.

• The President of India gives out awards on national sports day to players across the field.

Sonia Rani

Roll number-2087

GOOD FOOD

- Fruits and vegetables, grains, and pulses come under the category of good food Sources.
- People should develop good eating habits by consuming healthy foods and stay away from junk food.
- Vitamins are vital elements that keep our teeth and bones healthy and help us to Fight against diseases.
- Before buying any food, first, ensure food quality.

Ravinder Singh

Roll No. 2143

2
1
3

DEPARTMENT OF FINE ARTS

INCHARGE: Mr. BALWINDER KUMAR

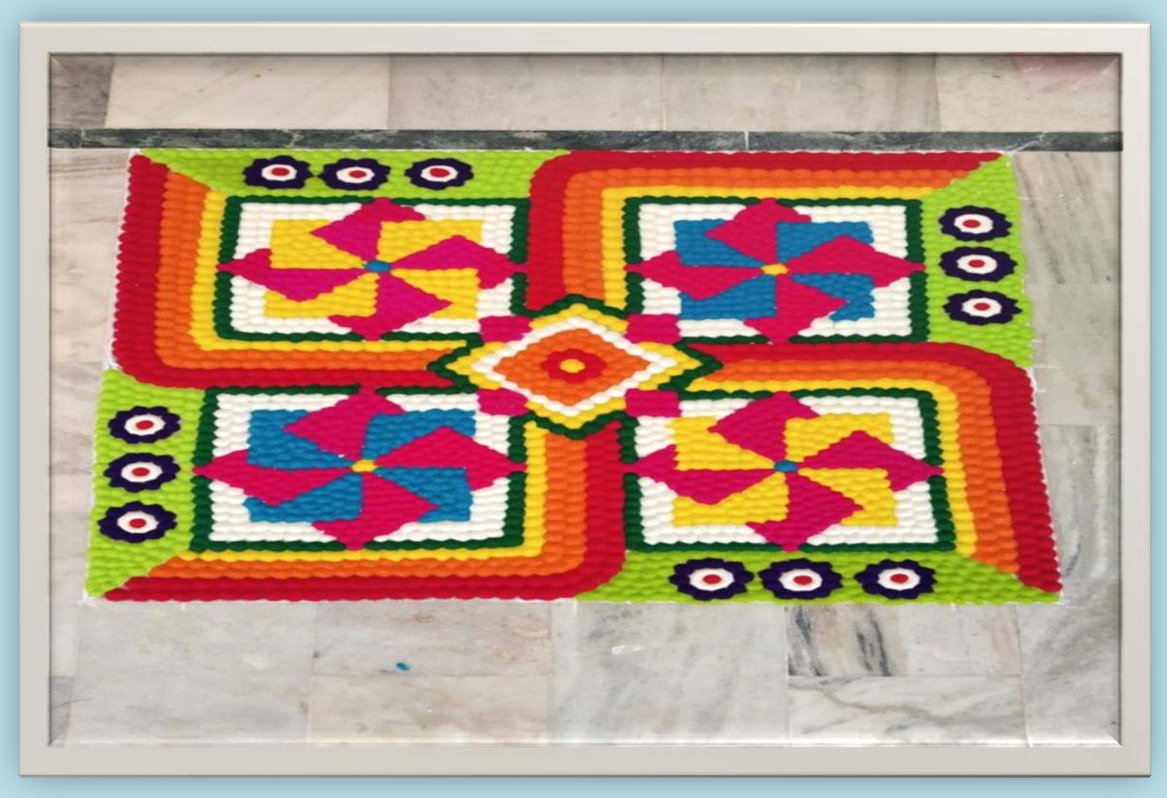

स्कूल
मेरा गांव

ART

Arts

GURU RAM DASS B.Ed. COLLEGE, JALALABAD (W)-152024

E-mail: grd.college@rediffmail.com, https://www.grdcollegejbd.org

Contact No. 98552-06499, 84271-02121